Seat No. : _____

AC-127

April-2015

T.Y.B.A. (Annual Pattern)

Hindi : Paper-VI

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

(Old Course)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

1. सिद्ध कीजिए कि बिहारी ने अपने दोहों में "गागर में सागर" भर दिया है । 12

अथवा

तुलसी की काव्य-कला पर विस्तार से प्रकाश डालिए ।

2. मलिक मुहम्मद जायसी की काव्यगत विशेषताएँ बताइये । 12

अथवा

कबीर की कविताओं में सामाजिक एवं धार्मिक चिंतन मुखर रूप से परिलक्षित होता है उदाहरण देकर समझाइए ।

3. संक्षेप में लिखिए : (किन्हीं **दो** पर) 10

(क) बिहारी का संयोग वर्णन

(ख) भ्रमर गीत में प्रेम तत्त्व

(ग) तुलसी के राम

(घ) घनानंद का श्रृंगार वर्णन

4. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 21

(क) बूझत स्याम कौन तू गोरी ।
कहाँ रहति, काकी है बेटी, देखी नहीं कबहुँ ब्रज खोरी ।
काहे को हम ब्रज तन आवतिं, खेलति रहति आपनी पौरी ।।
सुनत रहत स्रवननि नंद ढोटा, करत फिरत माखन-दधि चोरी

अथवा

पीछे लागा जाइ था, लोक वेद के साथि ।
आगै थै सतगुरु मिला, दीपक दीया हाथि ।।

(ख) जिन घर कंता ते सुखी, तिन्ह गारौ औ गर्व ।
कंत पियारा बाहिरै, हम सुख भूला सर्व ।।

अथवा

कीर के कागर ज्यों नृप चीर, बिभूषन उप्पम अंगनि पाई ।
औंध तजि मगवास के रुख ज्यों, पंथ के साथि ज्यौ लोग लुगाई ।
संग सुबन्धु, पुनीत प्रिया, मनो धर्म क्रिया धरि देह सुहाई ।
राजिव लोचन राम चलै, तजि बाप को राज बटाउ कि नाई ।।

(ग) बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय ।
सौंह करे भौंहन हसैं, दैन कहे नटि जाइ ।।

अथवा

प्रीतम सुजान मेरे हित के निधान कहौ
कैसे रहै प्रान जौ अनखि अरसाय हौ ।।

5. सूचनानुसार कीजिए : 15

(अ) **एक** वाक्य में उत्तर दीजिए :

(1) जायसी की किस रचना में इतिहास और कल्पना का मिश्रण है ?
(2) रत्नावली कौन थी ?
(3) सुजान को किसने बार-बार अपनी कविताओं में याद किया है ?
(4) बिहारी किसके दरबारी कवि थे ?
(5) सूरसागर किसकी रचना है ?

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति योग्य शब्द से कीजिए :

(1) कबीर की भाषा _____ है । (ब्रज, सधुक्कड़ी, घुमक्कड़ी)
(2) घनानंद _____ कवि थे । (रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध)
(3) तुलसी की काव्यभाषा मुख्यत: _____ है । (अवधी, ब्रज, भोजपुरी)
(4) सूरदास का जन्म _____ में हुआ था । (ब्रज, सीही, आगरा)
(5) बिहारी ने सतसई में _____ में सागर भरा है । (नागर, गागर, मागर)

(स) सही जोड़े मिलाइये :

(अ)	**(ब)**
(1) बरदंत की पंगति कुंद कली	(i) कबीर
(2) चरन कमल बंदौ हरि राई	(ii) तुलसी
(3) पहले अपनाय सुजान	(iii) बिहारी
(4) मेरी भव बाधा हरौ	(iv) घनानंद
(5) जिन घर कंता ते सुखी	(v) सूरदास
	(vi) जायसी